भारत और कोस्टारिका संबंध

भारत और कोस्टारिका के बीच संबंध मधुर एवं गर्मजोशीपूर्ण हैं जो दोनों देशों के बीच बढ़ती वाणिज्यिक भागीदारी से और सुदृढ़ हो रहे हैं।

1995 में सैन जोस में भारत द्वारा एक मानद कोंसुल की नियुक्ति के बाद जवाबी कार्रवाई के तौर पर कोस्टारिका द्वारा 1996 में नई दिल्ली में एक मानद कोंसुलेट खोला गया। कोस्टारिका ने अप्रैल, 2010 में नई दिल्ली में अपना दूतावास खोला। पनामा स्थित भारतीय दूतावास को समवर्ती रूप में कोस्टारिका की जिम्मेदारी भी सौंपी जाती है।

महत्वपूर्ण द्विपक्षीय यात्राएं :

भारत की ओर से :

1. विदेश राज्य मंत्री जनरल (डा.) वी के सिंह (सेवानिवृत्त) ने जुलाई 2015 में कोस्टा रिका का दौरा किया। उन्होंने को स्टा रिका के विदेश मंत्री श्री मैनुअल गोंजालेज सांज, उप राष्ट्रपति एवं वित्त मंत्री श्री हेलियो फलास वेनेगैस और विदेश व्यापार मंत्री श्री अलेक्जेंडर मोरा के साथ बैठकें की।
2. तत्कालीन वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री श्रीमती डी पुरंदेस्वरी ने अप्रैल 2013 में कोस्टारिका का दौरा किया।
3. तत्कालीन सचिव (पश्चिम) श्री एम गणपति ने विदेश कार्यालय परामर्श के लिए अगस्त 2012 में कोस्टारिका का दौरा किया।
4. तत्कालीन सचिव (पश्चिम) श्री वी के ग्रोवर ने गुट निरपेक्ष आंदोलन तथा यू एन से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करने के लिए फरवरी 1996 में सैन जोस का दौरा किया।

कोस्टारिका की ओर से :

1. कोस्टारिका की द्वितीय उप राष्ट्रपति सुश्री अन्ना हेलेना चाकोन एचेवेरिया ने विदेश व्यापार मंत्री श्री अलेक्जेंडर मोरा डेलग्रैडो के साथ 8 और 9 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित 6वीं भारत - लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन गोष्ठी में भाग लिया।
2. उप विदेश मंत्री श्री अलेजांड्रो सोलानो ओर्टिज ने मार्च 2015 में विदेश कार्यालय परामर्श की दूसरी बैठक के लिए भारत का दौरा किया।
3. विदेश व्यापार मंत्री श्री अलेक्जेंडर मोरा ने मुंबई में नैस्कॉम नेतृत्व फोरम में अतिथि वक्ता के रूप में फरवरी 2015 में भारत का दौरा किया।
4. कोस्टारिका की तत्कालीन विदेश व्यापार मंत्री सुश्री एनाबेल गोंसालेज ने मार्च 2013 में भारत का दौरा किया।
5. तत्कालीन व्यापार मंत्री सुश्री एनाबेल गोंसालेज के साथ कोस्टारिका के 25 उद्यमियों ने हैदराबाद में आयोजित इंडिया सॉफ्ट 2012 में भाग लेने के लिए 19 से 23 मार्च 2012 के दौरान भारत का दौरा किया तथा वित्त सचिव, वित्त राज्य मंत्री, फिक्की, सी आई आई, नैस्कॉम के साथ नई दिल्ली में एवं बंगलौर में कारोबारी समुदाय के साथ बैठकें भी कीं।
6. तत्कालीन विदेश मंत्री रेने कास्ट्रो ने द्विपक्षीय चर्चा के लिए तथा नई दिल्ली में कोस्टारिका के दूतावास का उद्घाटन करने के लिए 19 से 23 अक्टूबर 2010 के दौरान भारत का दौरा किया।
7. तत्कालीन एस आई सी ए (सिस्टेमा डी ला इंटीग्रेशन सेंट्रोअमेरिकाना) के विदेश मंत्रियों के साथ विदेश मंत्री ब्रुनो स्टैगनो ने जून 2008 में भारत का दौरा किया।

8. तत्कालीन विदेश उप मंत्री मार्को विनिसियो वर्गेस पीरेरा ने एस आई सी ए शिष्टमंडल के अंग के रूप में 1 से 5 फरवरी 2004 के दौरान भारत का दौरा किया।
9. तत्कालीन विदेश मंत्री फर्नांडो नारांगो ने 27 फरवरी से 5 मार्च 1997 के दौरान भारत का दौरा किया, जो कोस्टारिका के किसी विदेश मंत्री की पहली भारत यात्रा थी।

द्विपक्षीय करार :

1. तकनीकी सहयोग के लिए एम ओ यू, जुलाई 2015
2. विदेश सेवा संस्थान तथा कोस्टारिका की राजनयिक अकादमी के बीच सहयोग के लिए एम ओ यू, मार्च 2015
3. अप्रैल 2013 में आर्थिक सहयोग पर एम ओ यू
4. नियमित विदेश कार्यालय परामर्श पर एम ओ यू (2008)
5. कोस्टारिका में उत्कृष्ट सूचना प्रौद्योगिकी केन्द्र (सी ई आई टी) स्थापित करने के लिए एम ओ यू (2009)
6. भारत और कोस्टारिका के विदेश सेवा संस्थानों के बीच एम ओ यू, मार्च 2015

भारत और कोस्टारिका के बीच पहले विदेश कार्यालय परामर्श का आयोजन अगस्त, 2012 में कोस्टारिका में हुआ। विदेश कार्यालय परामर्श की दूसरी बैठक 16 मार्च 2015 को नई दिल्ली में हुई। भारतीय शिष्टमंडल का नेतृत्व श्री आर स्वामीनाथन, विशेष सचिव (एम एम एस एण्ड सी पी वी) द्वारा किया गया तथा कोस्टारिका के शिष्टमंडल का नेतृत्व उप विदेश मंत्री श्री अलीजांड्रो सोलानो ओर्टिज द्वारा किया गया।

विदेश राज्य मंत्री जनरल (सेवानिवृत्त) श्री वी के सिंह ने अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर 21 और 22 जुलाई को कोस्टारिका के लिए एक शिष्टमंडल का नेतृत्व किया। इस शिष्टमंडल में अन्य लोगों के अलावा राजदूत सुश्री शम्मा जैन और सुश्री रीवा जी दास, संयुक्त सचिव (एल ए सी) शामिल थे। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) ने को स्टारिका के विदेश मंत्री श्री मैनुअल गोंजालेज सांज, उप राष्ट्रपति एवं वित्त मंत्री श्री हेलियो फलास वेनेगैस और विदेश व्यापार मंत्री श्री अलेक्जेंडर मोरा के साथ बैठकें की। कोस्टारिका की गणमान्य हस्तियों के साथ बैठकों के दौरान चर्चा के तहत द्विपक्षीय संबंधों के सभी क्षेत्र तथा क्षेत्रीय एवं बहुपक्षीय मुद्दे शामिल हुए। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) ने उप राष्ट्रपति एवं वित्त मंत्री श्री हेलियो फलास वेनीगैस को भारत आने का न्यौता दिया। तकनीकी सहयोग पर एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किया गया। विदेश राज्य मंत्री (वी के एस) की यात्रा को द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के स्तर को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में माना गया।

भारत सरकार की विकास सहायता :

कोस्टारिका के लिए भारत की सहायता के तहत आई टी ई सी कार्यक्रम के तहत हेरेडिया विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण के प्रयोजनों के लिए एक सौर ऊर्जा अनुसंधान प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए 1997 में 1.85 मिलियन रूपए मूल्य के फोटोवाल्टिक उपकरणों को दान में देना, 1998 में कोस्टारिका के टेलीकॉम ऑपरेटर आई सी ई को एक टेलीफोन एक्सचेंज दान में देना और 1996 में बाढ़ पीड़ितों के पुनर्वास में मदद के लिए 25,000 अमरीकी डालर की राहत सहायता शामिल है। भारत ने सैन जोस के पुलिस विभाग द्वारा प्रयोग के लिए दिसंबर 2005 में 18 बजाज श्री ह्वीलर को भी दान में दिया। भारत ने नवंबर 2010 में टोमास चक्रवात के पीड़ितों के पुनर्वास एवं राहत के लिए एक लाख डालर की राशि दान में दी।

कोस्टारिका में सूचना प्रौद्योगिकी में एक उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित करने के लिए सितंबर 2009 में एक एम ओ यू पर हस्ताक्षर किए गए। भारत सरकार ने कोस्टारिका में राष्ट्रीय तकनीकी विश्वविद्यालय (यू टी एन) में यह केन्द्र

स्थापित करने के लिए मार्च 2015 में सी-डैक और एपटेक के साथ करारों पर हस्ताक्षर किए हैं। हार्डवेयर लगा दिए गए हैं। उम्मीद है कि केन्द्र का उद्घाटन फरवरी, 2016 में होगा।

आर्थिक एवं वाणिज्यिकसहयोग :

कोस्टारिका की पर्यावरण अनुकूल नीतियों ने देश को 50 रीवा इलेक्ट्रिक कार ड्यूटी फ्री आयात करने के लिए प्रेरित किया। अन्य निर्यात के तहत टेक्सटाइल, ट्यूब, भेषज पदार्थ एवं कृषि रसायन शामिल हैं। लघु मात्रा में स्कार्पियो एस यू वी का आयात किया जा रहा है। कोस्टारिका में मोटर साइकल के अग्रणी आयातक एवं वितरक मासेसा द्वारा कोस्टारिका में बजाज थ्री व्हीलर एवं टू व्हीलर को असेंबल किया जाता है। भारत कोस्टारिका से जिन वस्तुओं का आयात करता है उनमें प्रिंटेड सर्किट, लकड़ी एवं लकड़ी के उत्पाद, लेदर तथा खाल एवं तिलहन शामिल हैं। भारत के हावेल्स सिलवानिया ग्रुप, जो विद्युत उत्पादों का निर्माण करता है, का लैटिन अमरीकी मुख्यालय और एक कारखाना सैन जोस, कोस्टारिका में है।

भारत - कोस्टारिका व्यापार (अमरीकी मिलियन डालर में)

वर्ष	निर्यात	आयात	कुल व्यापार
2012	74.28	219.72	294.00
2013	81.09	203.99	285.08
2014	95.84	155.30	251.14
2015-15 (अप्रैल - सितंबर)	62.39	46.20	108.59

(स्रोत : वाणिज्य मंत्रालय, भारत)

भारत की ओर से निर्यात की जाने वाली वस्तुओं में मुख्य रूप से भेषज उत्पाद, जैविक रसायन, वाहन, विद्युत मशीनरी आदि शामिल हैं। भारत के आयात में मुख्य रूप से लकड़ी और लकड़ी की बनी वस्तुएं, विद्युत मशीनरी एवं उपकरण, खाद्य फल एवं गिरी, आप्टिकल, मेडिकल या सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट, कॉफी, चाय, ग्लास एवं ग्लासवेयर शामिल हैं। हालांकि पिछले कुछ वर्षों में भारत के निर्यात में निरंतर वृद्धि हुई है, सैनजोस में 2014 में इनटेल की चिप फैक्ट्री के बंद हो जाने के बाद कोस्टारिका से आयात काफी घट गया है।

कोस्टारिका की द्वितीय उप राष्ट्रपति सुश्री अन्ना हेलेना चाकोन एचेवेरिया ने विदेश व्यापार मंत्री श्री अलेक्जेंडर मोरा डेलग्रैडो के साथ 8 और 9 अक्टूबर 2015 के दौरान नई दिल्ली में सी आई आई द्वारा आयोजित 6वीं भारत - लैटिन अमेरिका एवं कैरिबियन गोष्ठी में भाग लिया।

प्लास्टिक के निर्माताओं एवं क्रेताओं के साथ बी एस एम के आयोजन के लिए भारतीय प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकोंसिल) से एक शिष्टमंडल ने 19 मार्च 2015 को कोस्टारिका का दौरा किया। बी एस एम के लिए राजदूत ने भी कोस्टारिका का दौरा किया। 16 सदस्यीय शिष्टमंडल ने कोस्टारिका की कंपनियों के साथ कारोबारी साझेदारियों पर भी चर्चा की।

पांच अग्रणी आई टी कंपनियां अर्थात इनफोसिस, विप्रो, कोग्नीजांट, टी सी एस और सी एस एस कारपोरेशन सैन जोस में प्रचालन कर रही हैं। हाल के महीनों में स्थानीय आई टी कंपनियों द्वारा अनेक भारतीय आई टी इंजीनियरों की भर्ती की गई है। कोस्टारिका हाई इंड मेडिकल डिवाइसों, आई हार्डवेयर एवं सॉफ्टवेयर के निर्माण तथा संभार तंत्र एवं बी पी ओ सेवाओं के लिए एक आला बाजार के रूप में उभरा है। कोस्टारिका के सरकारी एवं निजी विश्वविद्यालयों के 70 छात्रों एवं शिक्षकों ने कोस्टारिका के विदेश मंत्रालय, कोस्टारिका विकास पहल गठबंधन और इनफोसिस के बीच एक सहयोग कार्यक्रम के तहत 2014 में मैसूर में इनफोसिस में तीन माह का प्रशिक्षण प्राप्त किया।

वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री के नेतृत्व में सी आई आई के एक शिष्टमंडल ने अप्रैल 2013 में कोस्टारिका का दौरा किया। केपेक्सिल ने नवंबर 2012 में सैन जोस में एक क्रेता - विक्रेता बैठक का आयोजन किया। भारत के

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सॉफ्टवेयर निर्यात संवर्धन परिषद (ई एस सी) के नेतृत्व में सॉफ्टवेयर कंपनियों के एक आठ सदस्यीय शिष्टमंडल ने कोस्टारिका प्रौद्योगिकी अंतर्दृष्टि (सी आर आई टी) 2011 और जून 2012 में भाग लिया। भारतीय प्लास्टिक निर्यात संवर्धन परिषद (प्लेक्सकोंसिल) द्वारा आयोजित छ: कारोबार घरानों के एक शिष्टमंडल ने अनेक प्राथमिक, मध्यवर्ती एवं फिनिस्ड प्लास्टिक उत्पादों के संवर्धन के लिए मार्च 2010 में सैन जोस का दौरा किया। कोस्टारिका की छ: कंपनियों के एक शिष्टमंडल ने फरवरी 2009 में इंडिया सॉफ्ट में भाग लिया। मार्च 2008 में हैदराबाद में ई एस सी द्वारा आयोजित इंडिया सॉफ्ट 2008 में कोस्टारिका की तीन सॉफ्टवेयर कंपनियों ने भाग लिया। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सॉफ्टवेयर निर्यात परिषद (ई एस सी) से एक शिष्टमंडल ने फरवरी 2008 में कोस्टारिका प्रौद्योगिकी मेला - कोस्टारिका प्रौद्योगिकी अंतर्दृष्टि में भाग लिया। कोस्टारिका के निर्यात संवर्धन परिषद क्रेसेक्स से एक 19 सदस्यीय कारोबारी शिष्टमंडल ने 14 से 27 नवंबर 2007 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित इंडिया इंटरनेशनल ट्रेडफेयर 2007 में भाग लिया।

भारतीय तकनीकी एवं आर्थिक सहयोग (आई टी ई सी) कार्यक्रम

कोस्टारिका में आई टी ई सी कार्यक्रम लोकप्रिय है। 2015-16 में कोस्टारिका को 15 आई टी ई सी स्लाट आवंटित किए गए हैं जिनके पूर्ण उपयोग की संभावना है।

संस्कृति :

कोस्टारिका में भारत के इतिहास एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रति गहरी रुचि है तथा इसका अधिकतर श्रेय प्रो. हिल्डा चेन अपूय को जाता है जो 1950 के दशक में यूनेस्को की छात्रवृत्ति के तहत भारत आए थे तथा सेन जोस में कोस्टारिका विश्वविद्यालय में भारतीय इतिहास, दर्शन एवं संस्कृति पर अध्ययन शुरू किया। भारत पर प्रोफेसर हिल्डा के लेखों को हमारे मंत्रालय के लोक राजनय प्रभाग द्वारा प्रकाशित किया जा रहा है।

सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग के तहत भारतीय सांस्कृतिक मंडलियों के पर्फार्मेंस शामिल हैं जिन्होंने समय समय पर कोस्टारिका का दौरा किया है।

सुश्री तिरुमल सेट्टी रेड्डी लक्ष्मी के नेतृत्व में आई सी सी आर द्वारा प्रायोजित एक कुचीपुडी शास्त्रीय नृत्य मंडली ने अक्टूबर 2015 में सैनजोस के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय थिएटर में अपनी कला का प्रदर्शन किया जहां 600 से अधिक दर्शक मौजूद थे। इस कार्यक्रम में अनेक शीर्ष गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया तथा इसे स्थानीय मीडिया द्वारा बड़े पैमाने पर कवर किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2015 में कोस्टारिका के 160 से अधिक नागरिकों ने योग किया, जिसे भारतीय दूतावास, पनामा द्वारा स्थानीय योग संस्थाओं तथा भारतीय समुदाय के सहयोग से सैनजोस में प्रसिद्ध कला संग्रहालय में आयोजित किया गया था।

एक प्रख्यात चित्रकार एवं बच्चों की कहानियों की लेखिका सुश्री वेन हसू ने एक्स पी प्रभाग के प्रख्यात चित्रकारों एवं साहित्यिक हस्तियों के लिए सुगमता कार्यक्रम के तहत 27 दिसंबर 2014 से 6 जनवरी 2015 के दौरान भारत का दौरा किया।

कोस्टारिका के प्रतिष्ठित स्पेनिस अखबार ला रिपब्लिका के उपाध्यक्ष श्री लुइस अलबर्टो मुनोज ने विदेश मंत्रालय के विदेश प्रचार प्रभाग द्वारा आयोजित 'एल ए सी क्षेत्र के पत्रकारों का परिचय दौरा' के तहत 15 से 21 अक्टूबर 2014 के दौरान भारत का दौरा किया।

राष्ट्रपति आस्कर एरियास ने सितंबर 2008 में कोस्टारिका में गांधी जी की आत्मकथा के स्पेनिस वर्जन का आमुख लिखा तथा उसे लांच किया।

जुलाई 2006 में भारत को कोंसुलटाडा (पूर्व संदर्भ) श्रेणी से हटाकर तथा 30 दिन की अवधि के लिए वीजा के बगैर कोस्टारिका में प्रवेश करने के लिए भारत के पर्यटकों को अनुमति देकर कोस्टारिका में अपनी वीजा व्यवस्था में ढील प्रदान की। अगस्त 2007 में कोस्टारिका का दौरा करने के इच्छुक भारतीयों के लिए वीजा व्यवस्था में उस समय फिर से ढील दी गई जब मान्य यू एस या स्चेंजेन वीजा धारक भारतीय नागरिकों को कोस्टारिका के वीजा के बगैर कोस्टारिका में प्रवेश करने की अनुमति दी गई।

भारतीय समुदाय :

भारतीय समुदाय में अधिकतर आई टी पेशेवर हैं जो यू एस से नजदीकी का लाभ उठा रहे हैं। लैटिन अमरीका के अन्य देशों की तुलना में कोस्टारिका अधिक द्विभाषी भी है। भारतीय समुदाय में कारोबारी (जो अधिकतर इमारती लकड़ी के व्यापार से जुड़े हैं), गैर सरकारी संगठन तथा चैरिटी मिशन शामिल हैं। वहां तीन भारतीय रेस्टोरेंट भारतीयों द्वारा चलाए जा रहे हैं। कोस्टारिका इंडियन एसोसिएशन (सी आर आई ए) (www.crindian.org) का गठन 2010 में हुआ। यह भारतीय दूतावास, पनामा के साथ मिलकर विभिन्न सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा व्यापार संवर्धन की गतिविधियों के आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाता है।

उपयोगी संसाधन :

भारतीय दूतावास, पनामा की वेबसाइट :
http://www.indianembassyinpanama.com/
राजदूत का ट्विटर :
https://twitter.com/@shammajain
भारतीय दूतावास, पनामा का फेसबुक पेज :
https://www.facebook.com/embassyofindiainpanama

***

जनवरी, 2016